MAKE IAS

Q1. शैलकृत स्थापत्य प्रारंभिक भारतीय कला एवं इतिहास के ज्ञान के अति महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। विवेचना कीजिए। (125 शब्द)

The rock-cut architecture represents one of the most important sources of our knowledge of early Indian art and history. Discuss. (125 words)

शैलकृत स्थापत्य से तात्पर्य पहाड़ी गुफाओं, मंदिरों, विहारों एवं चैत्यों से है। जो प्राचीन काल में पहाड़ी को काटकर बनाये गए थे।

→ भारतीय कला एवं ज्ञान के स्रोत के रूप में :-

- (i) शैलकृत चित्र - लखुडियार चित्र (उत्तराखंड) भीमबेटका की गुफायें → प्राचीन संस्कृति के बारे में जानकारी।
- (ii) अजंता व एलोरा की गुफाऐं एवं गुफा मंदिर :- विभिन्न धर्मों जैन, बौद्ध, ब्राह्मण आदि के बारे में जानकारी।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

- पल्लवकालीन मंदिर :-
  मामल्ल शैली, शैलकृत मंदिर
  जैसे- पांडव मंदिर

- विहारों एवं चैत्यों का निर्माण :-
  जुन्नार, कार्ले, गोण्डाना चैत्य,

→ विभिन्न शिलालेख :-
  → भीतरी शिलालेख
  → हाथीगुम्फा अभिलेख → नहर खुदाई
  → नन्दराज को के बारे में।

निष्कर्षत: शैलकृत स्थापत्य प्राचीन भारत की जानकारी का महत्वपूर्ण स्रोत है। ये भारत की समृद्ध-शाली सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करते हैं।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 ...

Q2. बौद्ध धर्म का प्रभाव ना केवल भारतीय दर्शन पर दृष्टिगोचर होता है, वरन भारतीय स्थापत्य एवं कला भी इससे प्रभावित है। समुचित उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (125 शब्द)

The influence of Buddhism is not only visible on Indian philosophy, but Indian architecture and art are also influenced by it. Explain with suitable examples. (125 words)

बौद्ध धर्म महात्मा बुद्ध द्वारा शुरु किया गया था। जो समाज के बड़े तबके द्वारा स्वीकृत किया गया।

भारतीय दर्शन पर प्रभाव :-

- क्षणिकवाद :- बौद्ध धर्म परिवर्तन को शाश्वत मानता है तथा अन्य सभी सुख क्षणिक हैं।
- करुणा :- मानवीय मूल्यों में करुणा को महत्व → व्यक्तियों की मदद को प्रोत्साहन।
- आत्म दीपो भव: :- आत्मनिर्भरता के मूल्य पर बल देता है। इसका प्रभाव न सिर्फ दर्शन पर भारतीय स्थापत्य एवं

कला पर भी स्पष्ट होता है—

स्थापत्य कला पर प्रभाव :-

- मथुरा कला शैली :-
  - बुद्ध की मूर्तियाँ < भूमिस्पर्श मुद्रा ↓ काम पर विजय
    - → अभय मुद्रा
  - बुद्ध के पीछे [आभामण्डल] → भारतीय देवी-देवताओं की तरह
- [स्तूपों का निर्माण] → अशोक ने 84000 स्तूप
  - → सारनाथ स्तूप
  - → साँची, भरहुत का स्तूप
- → चैत्यों एवं विहारों → घोषिताराम विहार कार्ले, जुन्नार और चैत्यों का विकास।

निष्कर्ष: बौद्ध धर्म भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है। जिसने समाज व संस्कृति के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया।

Q3. यूरोपीय ... ही था भारत ... Europeans ... India. Exp...
क्योंकि ... के ... विभि...
©MakeIAS

Q3. यूरोपीय भारत के अलावा अन्य देशों को भी अपना उपनिवेश बनाने में सफल हुए, परन्तु उनका मुख्य आकर्षण भारत ही था। भारत के प्रति यूरोपियों के आकर्षण के प्रमुख कारकों को स्पष्ट कीजिए। (125 शब्द)

Europeans were successful in colonising countries other than India, but their main attraction was India. Explain the main factors of attraction of Europeans towards India. (125 words)

यूरोपीय देशों ने औद्योगिक क्रांति व नौवहन प्रणाली के विकास के पश्चात् व्यापार - वाणिज्य के लिए विभिन्न उपनिवेश स्थापित किए।

जैसे - आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, अफ्रीका, भारतीय उपमहाद्वीप

→ मुख्य आकर्षण भारत रहने का कारण :-

- (i) मसालों की खेती :
  - ↳ भारतीय मसाले यूरोपीय नागरिकों की पसंद।
- (ii) लंबी तट रेखा :- आयात - निर्यात में आसानी।
- (iii) कच्चे माल की अधिकता :-
  - ↳ उपजाऊ भूमि → कृषि उत्पादन
  - ↳ खनिज संसाधन

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

↳ वन संसाधन

जलवायु :- वर्षा की पर्याप्तता, सर्दी गर्मी सभी ऋतुएं। रहने में आसानी।

राजनीतिक व्यवस्था :-
↳ विखंडित भारत → सामंती युद्ध
मुगल साम्राज्य का कमजोर होना।

↳ अधिक जनसंख्या : जनसंख्या अधिक होने से मजदूर, दासों की उपलब्धता।

निष्कर्ष: कच्चे माल, श्रम की उपलब्धता ने यूरोपियों को अधिक लाभ पहुँचाया। जिसके कारण वे भारत की ओर आकर्षित हुए।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

Q4. 19वीं शताब्दी के दौरान भारत में समाज सुधार हेतु चेतना जागृति के लिए उत्तरदायी कारकों को चिह्नित कीजिए। (125 शब्द)

Identify the factors responsible for the awakening of consciousness for social reform in India during the 19th century. (125 words)

भारतीय समाज सती प्रथा, जाति प्रथा बाल विवाह, नरबलि, दास प्रथा जैसी कुरीतियों से ग्रसित था। 19वीं सदी में जिन्हें दूर करने के प्रयास किए गये। जैसे - ब्रह्म समाज → सती प्रथा पर रोक, प्रार्थना समाज आदि।

कारण :-

- (i) भारतीय धर्मों को निकृष्ट बताना। यूरोपीय ईसाई धर्म की तुलना में हिन्दू धर्म को निकृष्ट बताते थे।
- (ii) भारतीयों को असभ्य और बर्बर
- (iii) पुनर्जागरण का प्रभाव :- यूरोपीयों

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

के साथ आधुनिक मूल्यों का विकास।

(iv) राजा राम मोहन राय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, दयानंद सरस्वती केशव चन्द्रसेन के प्रयास।

(v) समाज में शिक्षा का प्रसार।

प्रयास :-

→ सती प्रथा का अंत।
→ बहुदेववाद व मूर्तिपूजा का विरोध (ब्रह्म समाज)
→ विधवा विवाह को प्रोत्साहन (ईश्वर चंद्र विद्यासागर)
→ <u>एज ऑफ कंसेन्ट एक्ट</u> → बी०एम० मालाबारी

निष्कर्षत: सांस्कृतिक व आधुनिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार से भारत में समाज सुधार आंदोलन को प्रोत्साहन मिला।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

Q5. स्वदेशी आंदोलन में सीमित सफलता के बावजूद भी भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चर्चा कीजिए। (125 शब्द)

Despite limited success in the Swadeshi movement, it played an important role in India's freedom struggle. Discuss. (125 words)

स्वदेशी आंदोलन बंगाल विभाजन के विरोध में 1905 में आरंभ किया गया था। जो नरमदल और गरम दल का सामूहिक प्रयास था।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका :-

- (i) प्रथम बार अखिल भारतीय आंदोलन बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और राज्यों में।
- (ii) सभी वर्गों की भागीदारी।
  - → किसान (बारिसाल गाँव के किसान)
  - → महिला
  - → मजदूर
- (iii) अंग्रेजी वस्तुओं का विरोध।
  - → कपड़ो की होली जलाई।

→(iv) अंग्रेजी संस्थाएँ स्कूल, कॉलेज, अदालतों का विरोध।

→(v) **स्वदेशी को प्रोत्साहन :-**
- → राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् का गठन
- → बंगाल केमिकल फैक्ट्री
- → खादी को प्रोत्साहन

सीमित सफलता

- धार्मिक प्रतीकों के प्रयोग से मुस्लिमों की सीमित भागीदारी।
- किसानों की सीमित भागीदारी।
- नरम दल व गरम दल में विरोध।
  - ↳ बंगाल तक सीमित या अखिल भारतीय आंदोलन

निष्कर्ष: भले ही स्वदेशी आंदोलन ज्यादा प्रभावशाली न रहा हो लेकिन गांधीपूर्व आन्दोलनों में प्रथम आंदोलन था जिसने अंग्रेजी सरकार की जड़े हिला दीं।

Q6. यूरोप में विद्यमान उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए जिन्होंने राष्ट्र-राज्य के उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। (125 शब्द)

Mention the existing situation in Europe which have played a key role in the rise of a nation-state. (125 words)

राष्ट्र राज्य से तात्पर्य उस विचारधारा से जिसमें व्यक्ति, व्यक्तिगत विशेषताओं को किनारे कर राष्ट्रीय भावना से प्रेरित होता है तथा एक राष्ट्र के रूप में पूरे समाज को देखता है।

→ यूरोप में राष्ट्र-राज्य के उदय के कारण :-

(i) विचारों का आदान-प्रदान :-

प्रेस के विकास के पश्चात साहित्य ने राष्ट्र की भावना का प्रसार किया।

मैकियावेली का 'प्रिंस'

दांते का 'डि मोनार्किया'

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

(ii) जातीय श्रेष्ठता की भावना :-
→ जर्मन
→ यहूदी

(iii) जातीय, भाषाई समानता के आधार पर एकजुट होने को।

(v) राष्ट्र राज्यों के उदय में कूटनीतिक शासकों का योगदान।
जैसे - जर्मनी -
इटली - काबूर, गैरीबाल्डी

निष्कर्षतः विभिन्न छोटे-छोटे प्रांतों का एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर देश का निर्माण किया गया।

Q7. भारतीय समाज में धार्मिक, प्रजातीय तथा भाषायी विविधताओं की प्रकृति का वर्णन कीजिए। (125 शब्द)
Describe the nature of religious, ethnic and linguistic diversities in Indian society. (125 words)

भारतीय समाज विविधतापूर्ण समाज है। जहाँ धार्मिक, प्रजातीय, भाषायी आधार पर विविधता विद्यमान है।

धार्मिक विविधता :-

- → हिंदू - 79%
- → मुस्लिम - 19%
- → बौद्ध
- → जैन व ईसाई धर्म को मानने वाले लोग भी उपस्थित हैं।

→ **प्रजातीय विविधता**

- → नॉर्डिक
- → ऑस्ट्रोलोयड
- → मंगोलोयड
  ⇓
  जो मंगोल या मध्य एशिया से संबंध रखते थे। पूर्वोत्तर

भारत के लोग।

ऑस्ट्रोलॉयड → अंडमान निकोबार की जनजाति। इंरीलीज आदि,

नॉर्डिक → उत्तर-पश्चिमी भारत के लोग नॉर्डिक (उत्तर ध्रुव) से संबंधित।

⇒ भाषाई विविधता

↳ 8वीं अनुसूची में 22 भाषाऐं हैं। इसके अतिरिक्त भी अनेक भाषाऐं एवं बोली विद्यमान है।

निष्कर्ष: भारत की विविधता इसकी महत्वपूर्ण विशेषता है। जो इसे अन्य देशों से भिन्न एवं अद्वितीय बनाती है।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

Q8. भूमंडलीकरण ने भारत की सामाजिक प्रथाओं को किस प्रकार प्रभावित किया है? व्याख्या कीजिए। (125 शब्द)
How has globalization affected the social practices of India? Explain. (125 words)

भूमंडलीकरण से तात्पर्य संपूर्ण विश्व के सामाजिक-आर्थिक रूप से एकीकरण से है। जिसमें संपूर्ण विश्व एक ग्लोबल विलेज के रूप में हो जाता है।

→ भारतीय सामाजिक प्रथाओं पर प्रभाव

सकारात्मक	नकारात्मक
(i) रूढ़िवादी विचार दूर हो रहे। जैसे- जातिप्रथा	(i) जातीय श्रेष्ठता, सांप्रदायिकता में बढ़ोत्तरी।
(ii) शिक्षा स्तर में बढ़ोत्तरी → ऑनलाइन शिक्षा → दूसरे देशों में शिक्षा।	(ii) यौन हिंसा, बलात्कार, छेड़छाड़ जैसी समस्या में बढ़ोत्तरी।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

(iii) भोजन में विविधता ↳ स्ट्रीट फूड को बढ़ावा * फूड प्रसंस्करण को बढ़ावा	(iii) स्वास्थ्य संबंधी चिन्ताऐं।
(iv) एकल परिवार का मूल्य → अधिक स्वतंत्रता	(iv) एकल परिवार से वृद्धों के साथ हिंसा

निष्कर्षतः भूमण्डलीकरण द्विधारी तलवार है जिसने भारतीय समाज को दोनों प्रकार से प्रभावित किया है ~~कि~~

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

Q9. भारत में फसलों के उत्पादन तथा वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक कारकों का वर्णन कीजिए। (125 शब्द)
Describe the physical factors affecting the production and distribution of crops in India. (125 words)

भारत कृषि प्रधान देश है आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार 47% जनसंख्या कृषि क्षेत्र में संलग्न है।

→ फसल के उत्पादन एवं वितरण को प्रभावित करने वाले कारक :-

— (i) मृदा : ICAR के अनुसार 8 प्रकार की मृदा।
* जलोढ़ मृदा - गेहूँ, चावल
* काली मृदा - कपास
* लेटराइट → काजू, मूँगफली आदि।

— (ii) वर्षा / सिंचाई संसाधन :-
↳ सिंचाई की उपलब्धता में असमानता विद्यमान है।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

वर्षा की उपलब्धता – चावल, चाय की खेती।

* सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध → गन्ने की खेती।

→ जलवायु :- जलवायु के आधार पर फसल व उत्पादन में विविधता आती है।
जैसे – गन्ने की उत्पादकता दक्षिण में अधिक

निष्कर्षत: फसलों के उत्पादन एवं वितरण में भौतिक संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि पंजाब, हरियाणा, यूपी खाद्यान्न तो असम, केरल कर्नाटक चाय का अधिक उत्पादन करते हैं।

Q10. पृथ्वी पर विभिन्न भू आकृतियों के निर्माण को नियंत्रित करने वाले प्रमुख कारकों की चर्चा कीजिए। (125 शब्द)
Discuss the major factors controlling the formation of various landforms on the earth. (125 words)

प्रथ्वी पर विभिन्न भू-आकृति उपलब्ध हैं। जैसे- पर्वत, पठार, मरुस्थल समतल मैदान आदि।

→ नियंत्रित करने वाले कारक :-

(i) प्लेट टेक्टोनिक क्रियाएँ -
* वलित पर्वत का निर्माण
जैसे - हिमालय

(ii) नदियों के निक्षेपण से मैदान का निर्माण।
जैसे- उत्तर भारतीय मैदान
गंगा-यमुना के निक्षेपों से

(iii) पठार: पर्वतों के विक्षालित, घर्षण से।

(iv) भूगर्भिक क्रियाएं जैसे -

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

ज्वालामुखी क्रियाएं।
↳ दक्कन का पठार

↳(v) तटीय मैदानों का निर्माण
↳ नदियों के डेल्टा से।
↳ नदियों द्वारा लाये गये निक्षेपों से।

निष्कर्षतः सभी भू-आकृतिक संरचनाएं भ्रंशन, वलन, ज्वालामुखी उद्गार जैसी भू-आभिक क्रियाओं से निर्मित होती हैं

Q11. दक्षिण भारत के राजनीतिक इतिहास की दृष्टि से अधिक उपयोगी ना होते हुए भी संगम साहित्य उस समय की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अत्यंत प्रभावी शैली में वर्णन करता है। टिप्पणी कीजिये। (200 शब्द)

Despite not being very useful in terms of political history of South India, Sangam literature describes the social and economic situation of that time in a very effective style. Comment. (200 words)

संगम साहित्य दक्षिण भारत में विभिन्न राजाओं के संरक्षण में विकसित हुआ था। जो दक्षिणी राज्यों की सामाजिक आर्थिक स्थिति को उल्लेखित करता है।

राजनीतिक इतिहास की दृष्टि से उपयोगी नहीं →

- (i) संगम साहित्य में राजनीतिक व्यवस्था पर अधिक ध्यान नहीं दिया गया।
- (ii) चोल, चेर, पाण्ड्य राजाओं की भूमिका के बारे में सीमित जानकारी।
- (iii) राजनीतिक विभाजन → जिला → तालुका → ग्राम-स्वामित्व की जानकारी।

MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

→ सामाजिक - आर्थिक स्थिति :-

- संगम साहित्य में समाज में विद्यमान वर्गीय विविधता का उल्लेख किया गया है
- समाज में देवदासी प्रथा, मंदिरों की भूमिका वर्णन है
- संगम साहित्य में दक्षिण भारतीय राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख है

आर्थिक स्थिति :-

- कृषि आधारित अर्थव्यवस्था
- ग्रामीण जीवन
- तटीय क्षेत्रों में मत्स्य पालन, पशुपालन के साक्ष्य उपलब्ध हैं।

निष्कर्ष: संगम साहित्य भारतीय संस्कृति की समृद्धशाली परंपरा एवं अमूल्य धरोहर को प्रदर्शित करता है।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

Q12. 19वीं सदी में भारत में स्त्री शिक्षा हेतु किए गए प्रयासों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (200 शब्द)
Critically evaluate the efforts made for women's education in India in the 19th century. (200 words)

19वीं सदी में भारतीय समाज में सीमित शिक्षा के प्रयास किये गए। जिसमें भारत शासन अधि॰ 1813 में शिक्षा के लिए 1 लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई।

~~जिसमें~~ शिक्षा के सीमित प्रयासों के बीच महिला शिक्षा के प्रयासों को भी प्रोत्साहन दिया गया।

→ महिला शिक्षा के प्रयास :-

- वुड डिस्पैच : 1854 में भारतीय शिक्षा के लिए घोषणा पत्र जारी किया गया।
  - ↳ महिला शिक्षा को प्रोत्साहन
  - "शिक्षा का मैग्नाकार्टा"

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

- हंटर कमीशन :- 1884 में शिक्षा के पुनरीक्षण हेतु गठित।
  - ↳ महिलाओं को व्यावसायिक शिक्षा की सिफारिश
- महिला आश्रम की स्थापना
  - ↳ विधवा महिलाओं को शिक्षा प्रदान करना।

→ आलोचना

- (i) सीमित प्रयास
  - ↳ कुछ वर्ग की महिलाओं तक सीमित।
- (ii) स्कूलों व आश्रम की स्थापना शहरों में। ग्रामीण महिलाऐं वंचित
- (iii) रूढ़िगत समाज → पितृसत्तात्मक समाज → महिलाओं को विद्यालय

जाने की अनुमति नहीं।

(iv) अंग्रेजी कानूनों को लागू करने में समाज का योगदान नहीं → धार्मिक संस्थाओं द्वारा विरोध।

निष्कर्ष: 19वीं सदी में महिला शिक्षा हेतु प्रयास आरंभ किये गए। जो 20वीं सदी में आगे बढ़े जिसका परिणाम 1947 में महिला साक्षरता दर 6% के रूप में परिणीत हुआ।

Q13. आधुनिक भारत में राष्ट्रवाद के अभ्युदय में प्रेस की भूमिका का परीक्षण कीजिए। साथ ही "ब्रिटिश सरकार की प्रेस के प्रति नीति की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। (200 शब्द)

Examine the role of the press in the rise of nationalism in modern India. Also "critically review the policy of the British Government towards the Press". (200 words)

राष्ट्रवाद के उदय में प्रेस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिसकी शुरुआत जेम्स ऑगस्ट हिक्की द्वारा ~~1780~~ अखबार शुरू करके की गई।

* 19वीं सदी में प्रेस का विकास तेजी से हुआ। जिसमें राष्ट्रवादियों द्वारा स्थानीय भाषाओं में भी अखबार प्रकाशित होने लगे।

→ राष्ट्रवाद के विकास में भूमिका

- (i) सरकार की नीतियों की आलोचना :-
  - → सोम प्रकाश → ईश्वर चन्द्र विद्यासागर
  - → मराठा, केसरी – तिलक
- (ii) राष्ट्रवादी गतिविधियों के प्रचार-प्रसार हेतु।

विरोध प्रदर्शन की
(iii) योजना बनाने में।

(iv) अंग्रेजी हुकूमत की मानवता विरोधी / क्रूर गतिविधियों को वैश्विक स्तर पर उठाने में।

(v) राष्ट्रवादी नेताओं और जनता के मध्य संपर्क का साधन।

ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रेस पर प्रतिबंध

- विलियम एडम्स द्वारा (1823) प्रकाशकों को सामग्री को पहले जिलाधीश से अनुमति लेना।
- अखबार पर प्रकाशक का नाम एवं प्रकाशन स्थान का उल्लेख आवश्यक।
- लॉर्ड लिटन द्वारा वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878) → स्थानीय भाषा के अखबारों पर प्रतिबंध।

MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

हालांकि ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीतियों के पश्चात् भारतीय प्रेस ने राष्ट्रवाद के उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिसमें धन के निष्कासन सिद्धांत, ईसाई श्रेष्ठता, लोक्स-लोकी एक्ट के विरुद्ध राष्ट्रवादी माहौल तैयार किया।

9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

Q14. राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका का उनके द्वारा अपनाए गए तरीकों के विशेष संदर्भ में मूल्यांकन कीजिए। (200 शब्द)

Evaluate the role of Mahatma Gandhi in the National Movement with special reference to the methods adopted by him. (200 words)

महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम 1901 में कलकत्ता अधिवेशन में भाग लिया। जिसके पश्चात् वे 1915 ई में द० अफ्रीका से वापसी के पश्चात् भारतीय राजनीति मे सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

भूमिका

- (i) चंपारण आंदोलन :- सर्वप्रथम चंपारण आंदोलन में तिनकठिया प्रथा के विरोध में।
- (ii) खेड़ा आन्दोलन, अहमदाबाद आंदोलन आदि।
- (iii) असहयोग आन्दोलन (1 Aug. 1920)

सरकार का असहयोग।
↳ सरकारी संस्थाओं का विरोध

- सविनय अवज्ञा आंदोलन → दाण्डी मार्च → व्यापक जनसमर्थन प्राप्त किया।

→ भारत छोड़ो आंदोलन (1942)
↳ अंग्रेजी सरकार विरुद्ध व्यापक आंदोलन → अंतिम संघर्ष के रूप में।

तरीके / रणनीति :-

- संघर्ष - विराम - संघर्ष :- गांधी जी प्रत्येक आंदोलन के बाद विराम लेते थे। फिर आंदोलन शुरू।

- सत्याग्रह - सरकार का विरोध सत्य के मार्ग पर चलते हुए।

- अहिंसा :- हिंसा का से दूरी रखते थे। असहयोग आंदोलन

MAKEIAS
Make Advanced Knowledge Easy

को हिंसा (चौरी-चौरा कांड) की वजह से वापस लिया।

मूल्यांकन

- अहिंसा के कारण → ब्रिटिश सरकार के दमनात्मक प्रतिक्रिया से बचा सकता था। तथा साधन व साध्य पवित्रता का पालन
- → संघर्ष विराम संघर्ष से जनसमर्थन जुटाने में सहायता। अखिल भारतीय आंदोलन बने।

निष्कर्षतः गांधी जी ने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Q15. साम्प्रदायिकता से क्या तात्पर्य है? साम्प्रदायिकता ने भारत के समक्ष किस प्रकार की चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं? (200 शब्द)

What is meant by communalism? What kind of challenges has communalism created before India? (200 words)

साम्प्रदायिकता से तात्पर्य ऐसी संकीर्ण विचारधारा से जिसमें व्यक्ति अपने भिन्न जाति, धर्म, विचार, मत वाले व्यक्ति के प्रति भेदभाव प्रदर्शित करता है।

भारत में सांप्रदायिकता के कारण

- (i) राजनीतिक लाभ :- लाभ प्राप्त करने, वोट बैंक के कारण।
- (ii) हैट स्पीच
- (iii) शत्रु देशों द्वारा देश को अस्थिर करने के लिए प्रोत्साहन

- जातीय श्रेष्ठता :- सभी को स्वयं को श्रेष्ठ मानने की प्रवृत्ति।
- विविधता :-
  - → तुष्टिकरण की राजनीति
  - → विभिन्न धर्म
    - हिन्दू - 80%
    - मुस्लिम - 19%
    - बौद्ध, जैन, ईसाई

→ भारत के समक्ष चुनौतियाँ :-

- (i) आतंकी घटनाएँ :-
  - → सांप्रदायिकता के कारण सांप्रदायिक संगठन दूसरे मत वाले लोगों को हानि।
- (ii) अलगाववाद :-
  - → खालिस्तान की माँग।
- (iii) धार्मिक सांप्रदायिक दंगे।
  - → मुजफ्फर दंगे, नूँह दंगे (हरियाणा)

→ (iv) देश विरोधी गतिविधियों
↳ नक्सलवाद, स्लीपर सेल आदि

→ (v) विदेशी निवेश हतोत्साहित होता है.

→ (vi) भारत में पाकिस्तान, बांग्लादेश से आतंकी गतिविधियाँ।

निष्कर्षतः साम्प्रदायिकता किसी देश के सामाजिक-आर्थिक विकास को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

Q16. भारत में बालश्रम के सामाजिक आधारों की चर्चा कीजिए। बालश्रम के उन्मूलन हेतु सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (200 शब्द)

Discuss the social bases of child labor in India. Critically evaluate the programs run by the government for the eradication of child labour. (200 words)

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार – 10.1 मिलियन बालश्रमिक हैं।

ILO के अनुसार –

"ऐसी स्थिति जो बच्चे को उसके बचपन, शिक्षा व स्वास्थ्य से वंचित करती है तथा किसी कार्य में संलिप्त करती है।"

→ बालश्रम के सामाजिक आधार

— (i) गरीबी :

↳ MPI 2022 के अनुसार सर्वाधिक गरीब (22.8 करोड़) भारत में।

— (ii) अशिक्षा :

↳ अभिभावक अशिक्षित एवं

बच्चों ~~के~~ की शिक्षा के प्रति
जागरूक नहीं।

- (iii) कृषि आधारित परिवार
  - ↳ परिवार के साथ कृषि कार्यों में संलग्न।

- (iv) अधिक जनसंख्या :-
  - ↳ बड़े परिवार पालन-पोषण में असमर्थता।

→ उन्मूलन हेतु पहलें

- बालश्रम निवारण अधिनियम-1986
  - ↳ संशोधन 2016
- शिक्षा का अधिकार
  - ↳ नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा
  - अनु०-21(A)
- मिड-डे मील
- पेंसिल पोर्टल
- यू. एन कंवेंशन -182

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

आलोचना।

- (i) योजना का सही प्रकार से मूल्यांकन नहीं।
- (ii) पारिवारिक कार्यों में कार्य करने की अनुमति → बालश्रम को बढ़ावा।
- (iii) कुपोषण, भूख जैसी समस्याओं का समाधान नहीं।

हालांकि सरकार के प्रयास से 2001 – 2011 तक 65% बालश्रमिक कम करने में ~~सहायता~~ सफलता प्राप्त हुई।

Q17. ज्वालामुखी से आप क्या समझते हैं। ज्वालामुखियों के वर्गीकरण को समझाते हुए विश्व में ज्वालामुखी के वितरण को स्पष्ट करें? (200 शब्द)

What do you understand by volcano? Explain the distribution of volcanoes in the world by explaining the classification of volcanoes? (200 words)

ज्वालामुखी से तात्पर्य ऐसे छिद्र से है जहाँ से गर्म मैग्मा, लावा के रूप में पृथ्वी की आंतरिक सतह से बाहर निकलता है।

ज्वालामुखी के प्रकार

मुख्यत: 3 प्रकार

सक्रिय ज्वालामुखी	प्रसुप्त ज्वालामुखी	मृत ज्वालामुखी नारकोंडम (भारत)
जैसे- बैरेन (भारत) लैपारी (हवाई) ⇓ ऐसे ज्वालामुखी जिनसे उद्गार हो रहा है।	ऐसे ज्वालामुखी जिनसे काफी साल से उद्गार नहीं हुआ है। लेकिन कभी भी हो सकता है	जिनमें उद्गार होने की कोई संभावना नहीं है।

ज्वालामुखी का वितरण

- परि प्रशांत महासागरीय शृंखला
- मध्य महाद्वीपीय शृंखला
- मध्य अटलांटिक कटक

→ परि प्रशांत महासागरीय :-

↳ भू-गर्भिक प्लेटों के अभिसरण के कारण सर्वाधिक ज्वालामुखी। कुल ज्वालामुखी का लगभग 75%

कारण →

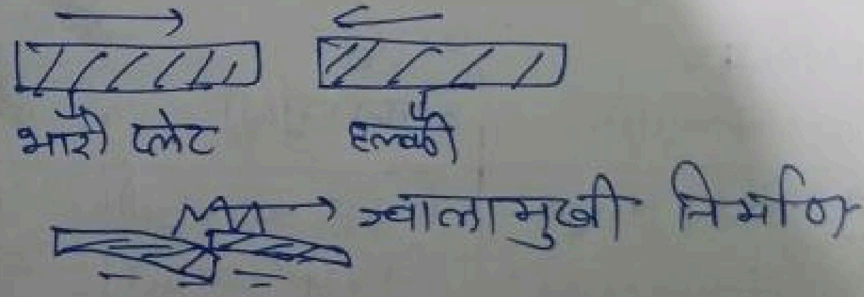

* परि-प्रशांत क्षेत्र में महासागरीय प्लेट तथा महाद्वीपीय प्लेट के अभिसरण से ज्वालामुखी का निर्माण।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow

→ **मध्य महाद्वीपीय श्रृंखला**

→ नव वलित पर्वत का निर्माण तथा इटली, व भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में ज्वालामुखी निर्माण।

जैसे - स्ट्राम्बोली, किलायु

→ **मध्य अटलाँटिक कटक** → सर्वाधिक लंबी श्रृंखला

* प्लेटों के अपसरण के कारण लावा का सतह पर आने के कारण निर्माण।

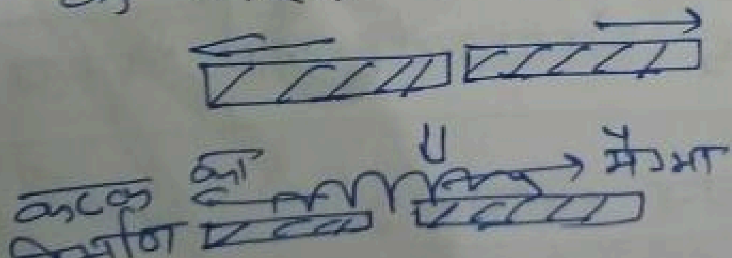

निष्कर्ष: विश्व में ज्वालामुखी वितरण परि-प्रशांत क्षेत्र में अधिक है जो प्लेट टेक्टोनिक क्रिया का परिणाम है।

Q18. विश्व भर में प्राकृतिक संसाधनों के वितरण का वर्णन कीजिए। साथ ही, प्राकृतिक संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाले प्रमुख भौगोलिक कारकों का उल्लेख कीजिए। (200 शब्द)

Describe the distribution of natural resources around the world. Also, mention the major geographical factors affecting the distribution of natural resources. (200 words)

प्राकृतिक संसाधनों से तात्पर्य वन, खनिज, जल आदि संसाधनों से है। जो प्राकृतिक रूप से प्राप्त होते हैं।

विश्व में प्राकृतिक संसाधनों का वितरण असमान रूप से है।

जैसे - अधिकांश तेल व गैस पश्चिमी एशियाई देशों के पास।

→ प्राकृतिक संसाधनों का वितरण

- (i) वन संसाधन :-
  - सर्वाधिक वन भूमध्य रेखीय देशों में हैं। जैसे - ब्राजील, अफ्रीका का उत्तरी क्षेत्र
- (ii) खनिज संसाधन :- भूगर्भिक

संरचना पर निर्भर करते हैं,
जैसे- आग्नेय चट्टान → धात्विक तत्व अधिक।
चीन में अधिक।

(iii) पेट्रोलियम :- सर्वाधिक ओपेक देशों के पास। रूस, चीन अमेरिका के पास भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध।

→ वितरण को प्रभावित करने वाले कारक :-

(i) धरातलीय चट्टानें :-
* आग्नेय चट्टान → धात्विक तत्व अधिक।
* अवसादी चट्टान → कोयला, पेट्रोलियम अधिक।

MAKE IAS
Make Advanced Knowledge Easy

(ii) दोआब क्षेत्र → नदी तथा वर्षा की उपलब्धता से वन क्षेत्र का विकास।
जैसे - अमेज़न के वर्षावन

(iii) मृदा :- मृदा की उपलब्धता से कृषि उत्पादन में वृद्धि।
जलोढ़ मृदा → अधिक कृषि उत्पादन।

निष्कर्ष: प्राकृतिक संसाधनों के वितरण में भौगोलिक संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

Q19. ग्रामीण क्षेत्रों की स्वच्छ जल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु 'हर घर जल' योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके समक्ष आने वाली चुनौतियों की चर्चा करते हुए उपर्युक्त कथन का मूल्याङ्कन कीजिए। (200 शब्द)

'Har Ghar Jal' scheme can play an important role in meeting the clean water needs of rural areas. Evaluate the above statement by discussing the challenges faced by it. (200 words)

जल जीवन मिशन – हर घर जल योजना केन्द्रीय योजना है जिसे 2019 में आरंभ किया गया।

→ भूमिका :-

- प्रत्येक परिवार को प्रतिदिन 55 लीटर टैप वाटर उपलब्ध।
- सभी गाँव तक स्वच्छ जल की आपूर्ति 2024 तक का लक्ष्य।
- जल संरक्षण की तकनीकों एवं सामाजिक प्रथाओं का विकास।
- गोवा, हिमाचल जैसे राज्य स्वच्छ जल उपलब्ध करा रहे हैं।

चुनौतियाँ

- (i) भौम जल संसाधन का अभाव: 17% आबादी के लिए सिर्फ 4% जल उपलब्ध।
- (ii) वित्त की कमी: लक्ष्य प्राप्त करने में देरी।
- (iii) लोगों में जागरूकता का अभाव: टैप वाटर का उपयोग न करना।
- (iv) भ्रष्टाचार: अवसंरचना विकास में भ्रष्टाचार → गुणवत्ता पूर्ण अवसंरचना निर्माण नहीं।
- (v) जल का दुरुपयोग।

समाधान

- PPP के आधार पर विकास।
- योजना का सामाजिक अंकेक्षण।
- जल संरक्षण की तकनीकों का विकास।
- उपलब्ध कराये जाने वाले जल की मात्रा में वृद्धि।

निष्कर्ष: जल जीवन मिशन के द्वारा जलजनित बीमारी को कम करने तथा जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है।

Q20. स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु महत्वपूर्ण खनिजों तक भारत की पहुँच आवश्यक है। चर्चा कीजिए। भारत सरकार द्वारा इस दिशा में क्या प्रयास किये जा रहे हैं? (200 शब्द)

India's access to vital minerals is essential for achieving the goal of clean energy. Discuss What efforts are being made by the Government of India in this direction? (200 words)

स्वच्छ ऊर्जा से तात्पर्य नवीकरणीय ऊर्जा से है। जैसे- सौर ऊर्जा, वायु पवन ऊर्जा आदि।

→ स्वच्छ ऊर्जा हेतु खनिजों तक पहुँच आवश्यक :—

- (i) सिलिकॉन, कैडमियम, लीथियम जैसे तत्वों की उपलब्धता से बैट्री निर्माण।
- (ii) सोलर पैनल हेतु सिलिकॉन, जर्मेनियम आदि उपधातुओं की आवश्यकता,
- (iii) इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग एवं

भण्डारण हेतु खनिजों की आवश्यकता है।
→ (iv) हाल ही में कश्मीर एवं कर्नाटक में लीथियम भण्डारों की जानकारी

→ **सरकार के प्रयास** :-

— (i) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समझौते :-
→ कच्चे माल (खनिजों) की उपलब्धता हेतु।
जैसे - कजाकिस्तान से यूरेनियम हेतु

— (ii) वियतनाम से ~~सिलि~~ सिलिकॉन उद्योग (चिप, सेमीकंडक्टर) के विकास हेतु।

— (iii) देश में खनिजों के शोध हेतु प्रोत्साहन। → उत्खनन

→ (iv) डीप ओशन मिशन :-
पोली मेटलिक नोड्यूल्स की खोज
→ मत्स्य - 6000

↳ (v) अमेरिका तथा अन्य देशों के साथ निष्कर्षण तकनीक के लिए समझौता।

निष्कर्ष: स्वच्छ ऊर्जा के विकास हेतु अनिड एवं उच्च तकनीकी तक सहज पहुँच आवश्यक है जो SDG लक्ष्य - 7 (स्वच्छ एवं वहनीय ऊर्जा) को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287 Delhi Prayagraj Lucknow